अध्याय –4

परिधानों के डिजाइन तत्वों का निर्माण

4.1 पलेक्टों के विभिन्न प्रकार

अधिकतर परिधानों को पहनने और खोलने हेतु खुली जगह चाहिए होती है। इस खुली जगह का स्थान भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। सामान्यतः परिधान का खुला स्थान मध्य अगले, मध्य पिछले, ओर टांका, कंधा, बाजू इत्यादि में होता है।

पलेक्ट, किसी परिधान या परिधान के भाग का तैयार क्षेत्र है। पलेक्ट को पर्याप्त लंबाई में डिजाइन और तैयार करना चाहिए जिससे पहनने में सुविधा और आसान हो। इन्हें जिपर की बजाए गले के अगले या पिछले भाग में बनाया जाता है। पलेक्ट को बटन होल, स्नैप और अन्य फास्टनरों को लगाने के लिए विस्तार से प्रयोग किया जाता है। पलेक्ट खुली जगह को बाजूओं पर प्रयोग किया जाता है जिससे संकरे भाग का विस्तार हो और जगह बने, जब कफ को खोला जाए।

चयनित पलेक्ट का प्रकार और लंबाई निम्नांकित पर निर्भर करती हैः

- पलेक्ट लगाने का स्थान
- पलेक्ट का कार्य
- परिधान का स्टाइल और डिजाइन
- परिधान का प्रयोग
- वस्त्र का प्रकार और भार
- परिधान का ध्यान
- निर्माण विधि

4.1.1 सतत पलेक्ट

इस प्रकार का पलेक्ट बनाना आसान है और पुरूष एवं महिला दोनों के परिधानों में अनेक प्रकार के डिजाइनों का आधार है। यह एक टुकड़ा पलेक्ट है, जिसे कफ बाजू खुले स्थान के लिए व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है ताकि हाथ बाजू परिधि ब्लूमर और बच्चों के कपड़ों, स्कर्ट और जिपर में फिट हो सके, जहां जिपर अनुप्रयोग परिधान की अपील कम करेगा और अन्य फास्टनर या बंद स्थानों के लिए वैकल्पिक गलारेखा के रूप में कार्य करेगा।

आवश्यक पैटर्न टुकड़ा

तैयार पलेक्ट के खुले भाग की लंबाई से दोगुना टुकड़े की लंबाई हेतु पैटर्न टुकड़ा काटिए और 1'' अतिरिक्त जोड़िए। (बाइंडिंग पट्टी की 1'' अतिरिक्त लंबाई केवल आपात के लिए है। यदि मापन सटीक हो और पलेक्ट सही ढ़ंग से बनाया गया हो, तो यह मात्रा सही जगह पर टांका लगाने के बाद काटी जाएगी)। इस टुकड़े की चौड़ाई तैयार पलेक्ट चिप्पल की चौड़ाई से दोगुनी होगी (जोकि सामान्यतः 1 ओर हेतु 1/2'' है) और जमा दोगुना टांका (जोकि सामान्यतः 1/4'' है) होगा।

CONTINUOUS PLACKET

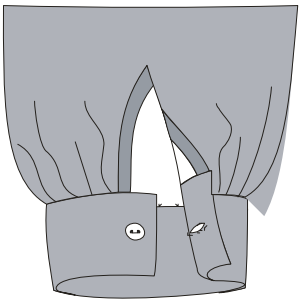

पेटर्न टुकड़े

2X तैयार भाग की लंबाई +1 इंच

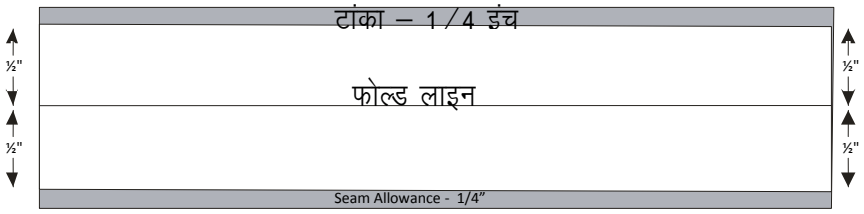

चित्र 11 सतत पलेक्ट

निर्माण चरण

1. पलेक्ट की दाईं ओर को खुली बाजू की गलत ओर रखें और किनारे के निकट टांके लगाना शुरू करें और 1/4'' की दूरी रखें। जैसे ही आप पलेक्ट के मध्य में आते हैं, पलेक्ट टुकड़े के टांके की दूरी 1/4'' रखें और परिधान टुकड़े की टांका दूरी को कम करें। ध्यान रखें कि इस स्थान पर कोई चुनट निर्माण न हो।

2. पलेक्ट के इस भाग (अन्य ओर) को मोड़े और इसे प्रथम सिलाई रेखा पर रखें। फिर बाजू की दाईं ओर से सिलाई करें। ध्यान रखें कि पिछले भाग पर समान सिलाई हो अर्थात् यदि यह टॉप पर हो जो इसे टॉप पर रखा जा सके और यदि यह डिच में तो इसे पूरे में बनाए रखें। अच्छी गुणवत्ता के पलेक्टों में यह टांका पिछले भाग के टॉप पर होता है।

3. बाजू की गलत ओर से, पलेक्ट के उपरी और निचले दोनों की सिलाई करें, इसे अंतिम कोने के 2 से 3 गुना विकर्ण (45 डिग्री पर) पर रखें। इसे बार ट्रेक कहा जाता है।

सतत शर्ट पलेक्ट

चित्र

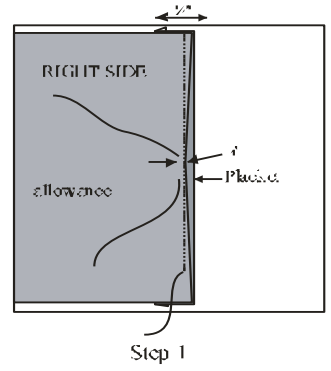

चित्र 12: सतत पलेक्ट निर्माण चरण 1,2,3

4.1.2 डायमंड पलेक्ट

असमान चौड़ाई की दो स्ट्रिपों वाला टैब डिजाइन, जिसमें खुली जगह के अनिर्णित कोने होते हैं। चौड़ी, टॉप सिली स्ट्रिप, संकरी स्ट्रिप और अपूर्ण कोने के उपर आती है।

- जब पलेक्ट की योजना डिजाइन ब्यौरे के रूप में बनायी जाती है।
- उपरी बंद के साथ बाजू और परिधान के खुले स्थान पर ।
- खेल शर्ट की बाजू पर खुला स्थान।
- जहां जिपर का प्रयोग न हुआ हो वहां स्कर्ट के खुले भाग पर।
- कुरता पलेक्ट।

टॉप सिला पलेक्ट भाग परिधान के अगले भाग को दिखाता है। पलेक्ट मजबूत और सपाट तैयार खुली जगह बनाता है।

पैटर्न टुकड़े

1. दो चिप्पलों को एक साथ बनाएं चिप्पल 1 और चिप्पल 2, प्रत्येक 1'' चौड़ा । एक 5'' लंबा होगा और अन्य 6.5'' लंबा होगा। टॉप पर 1/2'' की टांका दूरी अंकित करें और इसे कफ के साथ सिलें। यथा वर्णित शेष ओर पर 1/4'' दूरी अंकित करें।

2. अंडर पलेक्ट को बनाने के लिए 5''X1/2'' के चिप्पल आकार बनाएं और फिर इसके निकट समान आकार की अन्य चिप्पल बनाएं। सभी ओर 1/4 इंच की दूरी रखें, सिवाए टॉप जहां टांका दूरी 1/2 इंच होगी।

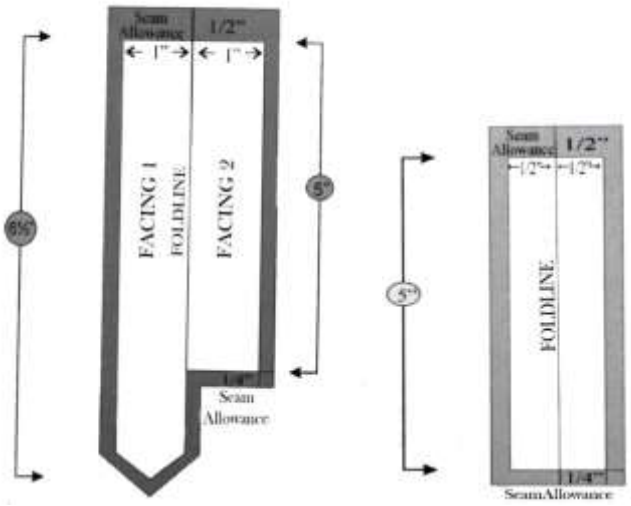

चित्र–13 : डायमंड पलेक्ट

निर्माण चरण

1. पलेक्ट की दाईं ओर को परिधान टुकड़े की गलत ओर रखें। परिधान और पलेक्ट की स्लैश रेखाओं को मिलाएं। पलेक्ट टॉप पर मजबूत टांके लगाएं, फिर कोनों पर जाएं। खुली जगह के अगले और पिछले कोनों का निर्धारण करें।

2. टांका रेखा संरेखण, पिन और दाईं ओर टांका के साथ अनिर्मित कोनों को पिछले पलेक्ट कोनों की गलत ओर रखिए। पलेक्ट के उपरी कोनों पर टांके लगाएं। फिर इसे दाईं ओर मोड़े, इसके मुड़े कोने को सिलाई रेखा के साथ पिन करें। सभी चौड़ाई में कोनों के माध्यम से टांका लगाएं। कोने पर रूकें और टांके लगाएं।

3. पलेक्ट टॉप पर त्रिकोणीय टुकड़े को गलत ओर घुमाएं और इसे लैप के नीचे पिन करें। त्रिकोण के आधार के नीचे सिलें, प्रारंभ और अंत में सिलाई सुनिश्चित करें। लैप के नीचे वर्ग कोनों को टेपर करें।

4. शेष पलेक्ट कोने की गलत ओर विस्तारित कोने को ओवरलैप के दाई ओर पिन करें। टांका लाइनों को संरेखित करें और निचले भाग पर अनिर्मित करें। टॉप पर टांके सुनिश्चित करें।

5. टांके को ओवरलेपर की ओर दबाएं । मुड़े कोनों को सिलाई रेखा के लिए लाएं और पिन लगाएं।

6. ओवरलेप के टॉप भागों के लिए पिन लगाएं और लैप के अंदर टॉप भाग को पिन करें, पलेक्ट कोने तक पिन लगाएं। सभी कोनों पर टांका लगाएं।

7. ओवरलेप के बिना लगाए भाग के साथ टॉप सिलें (सुनिश्चित करें सिलाई में कोई निचला भाग न आए) धागे को अंतिम बिंदु और गांठ की गलत ओर खींचे।

8. ओवरलेप और लगाए कोनों के आसपास टॉप सिलें (सभी चौड़ाई पर) संकेत का अनुसरण करें। प्रारंभ में टांके लगाएं, धागे हटाएं और दबाएं।

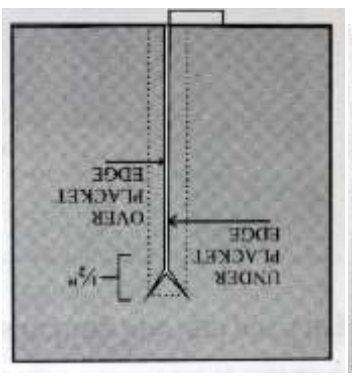

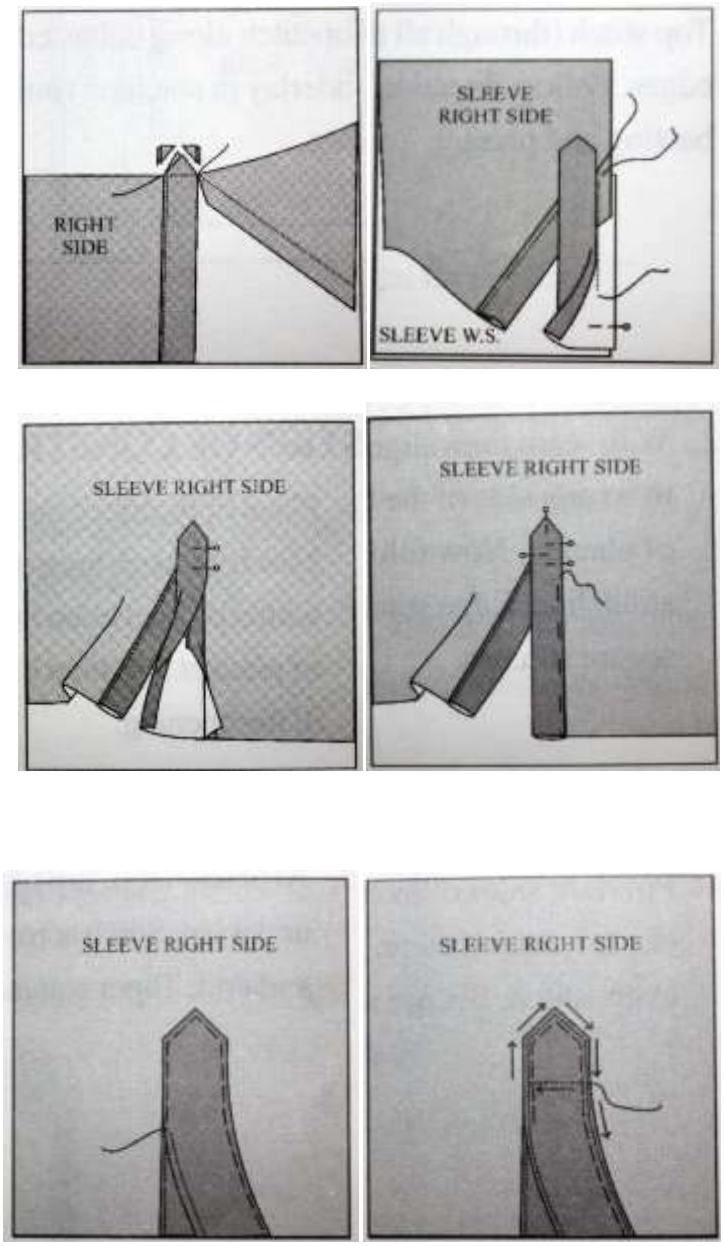

चित्र 14: निर्माण चरण

4.1.3 साधारण शर्ट पलेक्ट

पुरूष और महिला शर्टों का अगला भाग सामान्यतः खुला होता है। यह परिधान/परिधान के पैटर्न टुकड़े से बनता है। पुरूष शर्ट के लिए खुला भाग बाएं के उपर सीधे और महिलाओं के लिए दाएं के उपर बायां है।

दो पैटर्न टुकड़े आवश्यक है, एक उपरी भाग और दूसरी निचले भाग के लिए है।

उपरी भाग

कुरती को मध्य अगली रेखा तक अंकित करें। विस्तार को अंकित करें; जिसे बटन का आधा +1 सेमी. लिया जाता है अर्थात् बटन की त्रिज्या +1 सेमी. =विस्तार, या इसे बटन का व्यास माना जाता है। अन्यथा पुरूष की शर्ट को 1/2'' या 3/4 '' के मानक मान के साथ लिया जाता है।

विस्तार रेखा मोड़ रेखा है। इसके बाद 1.5'' की मानक चिप्पल की जाती है, 1/4'' की दूरी रखी जाती है। इस दूरी को चिप्पल को उलटी ओर घुमाएं। इसके बाद मोड़ रेखा को परिधान की उलटी ओर घुमाएं । (यदि चिप्पल को बाजू कोने के साथ संरेखित किया जाता है, जब इसे वस्त्र पर रखा जाता है तो कोई टांका दूरी नहीं रखी जाती।) । पैटर्न को काटिए।

निचला भाग

पैटर्न को उर्ध्वाधर धुमाएं, ट्रेस करें। निचला भाग उसी तरह बनाया जाता है, जैसे आप उपरी भाग को बनाते हैं, अंतर केवल चिप्पल का है जो 1'' है। अन्यथा निचले भाग की सिलाई रेखा पलेक्ट के आगे दिखाई देगी।

साधारण शर्ट पलेक्ट

पैटर्न टुकड़े

SIMPLE SHIRT PLACKET

PATTERN PIECES

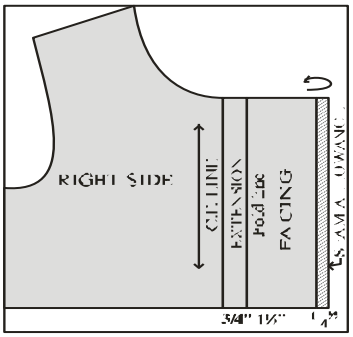

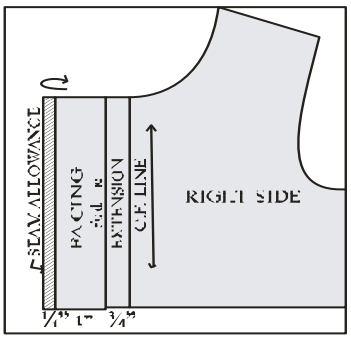

चित्र –15: साधारण शर्ट पलेक्ट

निर्माण चरण

उपरी भाग

1. वस्त्र के पैटर्न को ट्रेस करें और रेखाओं की स्थिति को अंकित करें।

2. इस दूरी को वस्त्र की उल्टी ओर घुमाएं। चिप्पल को भी इसी ढ़ंग से मोड़ रेखा से दूर ले जाएं अर्थात् वस्त्र की उल्टी ओर।

3. उल्टी ओर चिप्पल के कोने पर मशीन सिलाई यथा वर्णित करें।

निचला भाग

1. वस्त्र पर पैटर्न को ट्रेस करें और सभी रेखाओं की स्थिति अंकित करें।

2. इस दूरी को वस्त्र की उल्टी ओर घुमाएं । इसी प्रकार चिप्पल को भी घुमाएं।

3. उल्टी ओर चिप्पल के कोने पर मशीन सिलाई यथा वर्णित करें।

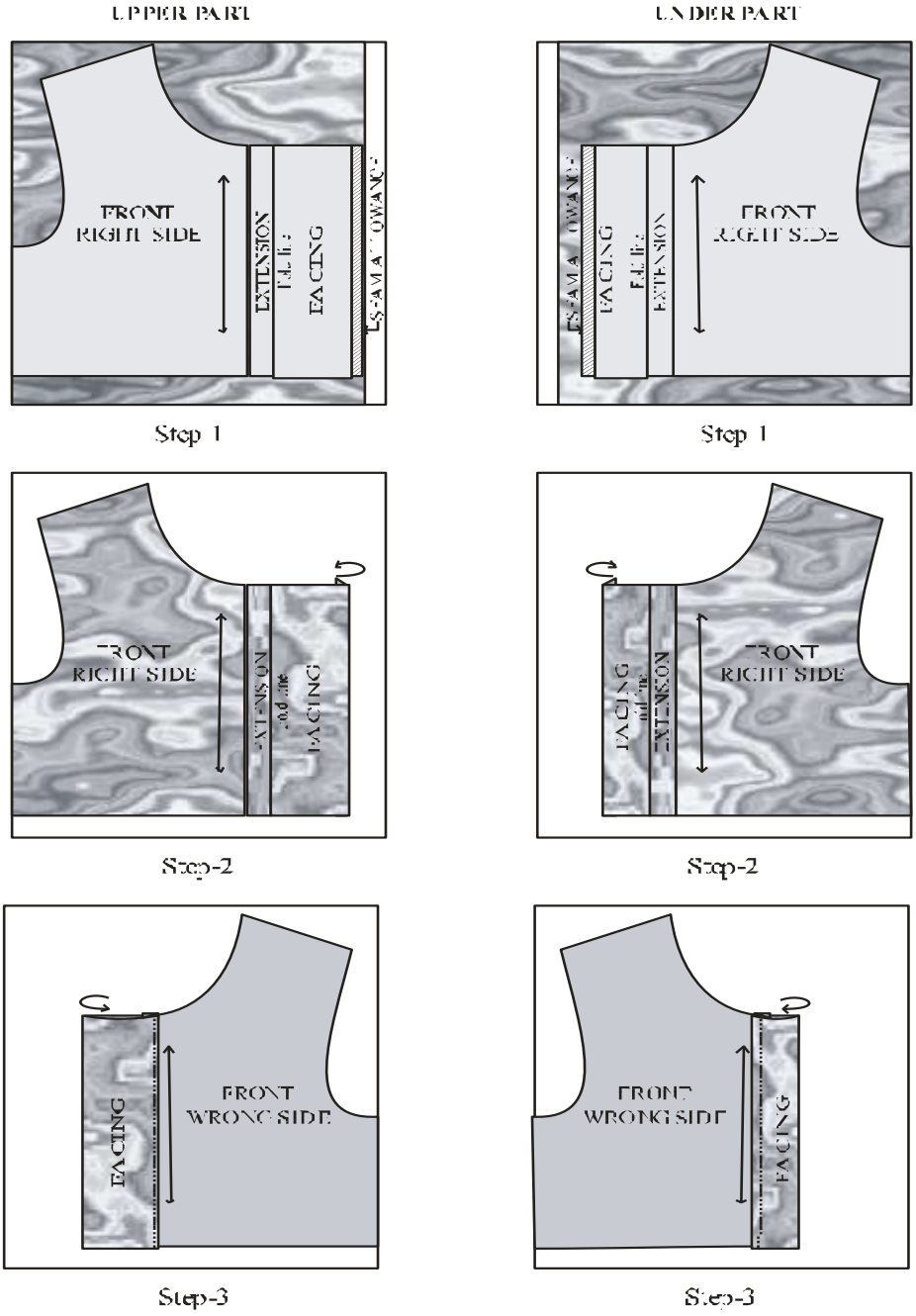

चित्र 16: साधारण शर्ट पलेक्ट उपरी और निचला भाग

4.1.4 चिप्पल और चुनट के साथ शर्ट पलेक्ट

कई बार शर्ट में डिजाइन ब्यौरे के रूप में विभिन्न रंग / वस्त्र में पलेक्ट हो सकते हैं। शर्ट के अगले भाग की दाईं ओर पर शर्ट बैंड/ स्ट्रिपर, जिसमें बटनहोल लगाए जाते हैं, यह चिप्पल हेतु आवश्यकता को समाप्त करता है। एक विस्तारित स्व–चिप्पल बाईं ओर प्रयोग किया जाता है। तैयार शर्ट बैंड 1.5'' चौड़ा है परंतु निर्माण तकनीकें शर्ट के वस्त्र और स्टाइल अनुसार भिन्न होंगी।

आवश्यक पैटर्न टुकड़े

निचला भागः कुरती का ट्रेस करें और 3/4'' का विस्तार करें, जो तैयार पलेक्ट का आधा होगा। इसके बाद 1/4 इंच की दूरी रखें।

चिप्पलः खुली पलेक्ट समान लंबाई की एक सीधी स्ट्रिप लीजिए, एक ओर 1/4 इंच टांका दूरी और दूसरी ओर 1/2 इंच टांका दूरी अंकित करें।

निचला भागः कुरती के शेष आधे भाग को पलटें और ट्रेस करें और 3/4 इंच का विस्तार करें और 1 इंच की चिप्पल बनाएं और फिर 1/4 इंच की टांका दूरी अंकित करें।

उपरी भाग चिप्पल निचला भाग

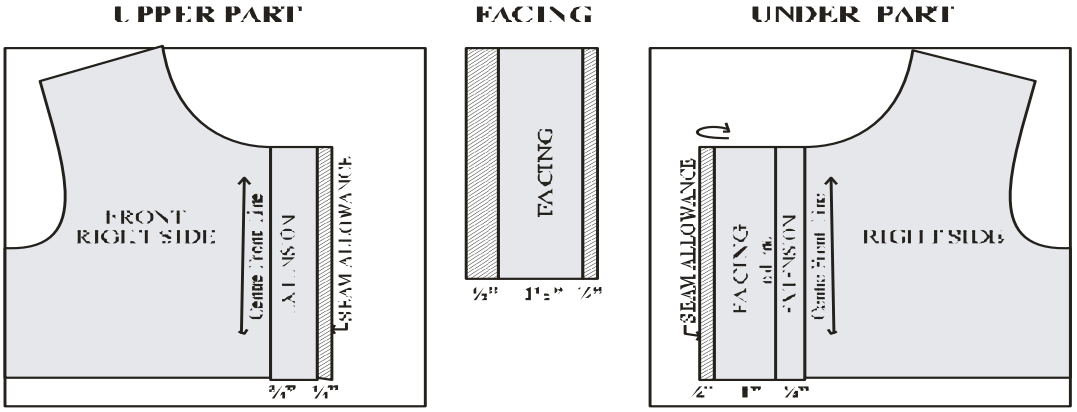

चित्र–17: चिप्पल के साथ शर्ट पलेक्ट

निर्माण चरण

उपरी भाग

1. चिप्पल की दाईं ओर को परिधान टुकड़े की उल्टी ओर रखें और फिर कोने के निकट 1/4 इंच की दूरी छोड़कर टांका लगाएं।

2. वस्त्र की दाईं ओर, चिप्पल को दाईं ओर घुमाएं। चिप्पल की टांका दूरी (1/2 इंच) को चिप्पल की उल्टी ओर दबाएं। इसे आयरन करें।

3. दोनों ओर से 1/4 इंच दूरी छोड़ें और दाईं ओर से सिलाई करें।

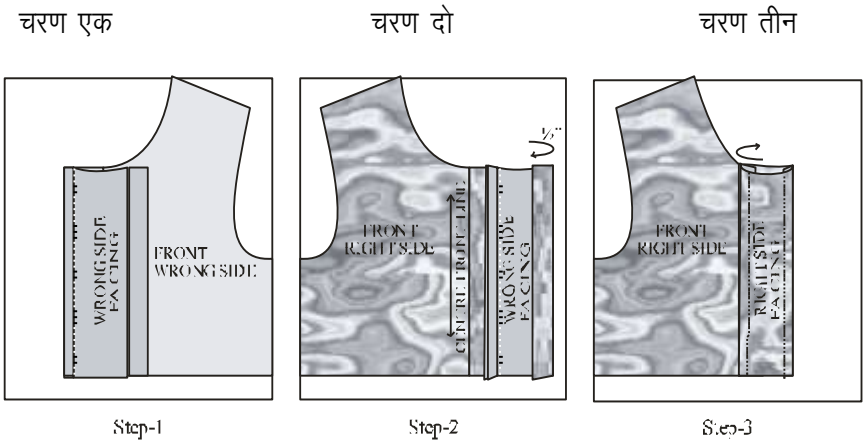

चित्र–18: चिप्पल के साथ शर्ट पलेक्ट का निर्माण

निचला भाग

वस्त्र के निचले भाग हेतु पैटर्न ट्रेस करें। चिप्पल की टांका दूरी को मोड़े, इसे वस्त्र की उल्टी ओर मोड़े। इसे पुनः वस्त्र की उल्टी ओर घुमाएं, सिलाई करें।

(आरेख हेतु साधारण शर्ट पलेक्ट के निचले भाग हेतु निर्माण चरण देखें)

4.2 बटन लगाना

बटन विस्तार बटन की चौड़ाई के बराबर होता है। सामान्य नियम के रूप में अगली कुरती की गला रेखा को आराम के लिए मध्य अगले भाग पर 1/4 इंच कम किया जाता है, जब भी मूल गला रेखा की आवश्यकता हो। पहले बटन होल को मध्य अगले भाग पर रखा जाता है, जोकि गलारेखा के नीचे बटन की चौड़ाई के बराबर होता है। यह सुनिश्चित करता है कि बटन गले की तरफ नहीं बढ़ेगा। अंतिम बटन होल लगाना परिधान की आवश्यकता पर निर्भर करता है। शेष बटन छेदों को पहले और अंतिम से समान दूरी पर अंकित किया जाता है। यहा एक अच्छा विचार है कि बटन को शीर्ष श बस्ट बिंदु पर लगाया जाए, यह सुनिश्चित करेगा कि परिधान के मध्य भाग में दरार न डालें, जिससे बस्ट पर खिंचाव आ सकता है।

बटन छेद का आकार बटन की चौड़ाई जमा 1/8 इंच के बराबर है, जिसमें बटन आसानी से घुस सके। बटन छेद को अंकित किया जाता है, जिससे मध्य भाग की परिधान ओर पर बटन की चौड़ाई और 1/8'' अतिरिक्त का विस्तार हो।

4.3 जेबों के विभिन्न प्रकार

फैशन डिजाइनर और पैटर्न मास्टर को विभिन्न परिधानों के लिए विभिन्न प्रकार की जेबों को ध्यान में रखना होता है, यह ध्यान में रखना चाहिए कि पॉकिट आकार, रूप और इसे लगाया जाना परिधान के डिजाइन के अनुसार हो। जेब एक पाउच होता है जिसके कोने बंद होते हैं और जिसे परिधान पर या परिधान के भीतर सिला जाता है। जेब प्रयोग और सजावट दोनों प्रयोजनों के लिए हो सकता है। जेब, छोटी वस्तुओं को अस्थायी रूप में रखने में मदद करती है। यह मत्वपूर्ण है कि पॉकेट आकार, रूप और स्थान परिधान की डिजाइन के अनुसार हो।

जेबों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:

- बाहरी जेब
- इनसीम जेब
- वेल्ट जेब

4.3.1 बाहरी जेब/ पैच जेब

परिधानों पर सिली जाने वाली किसी भी आकार या रूप की **जेबें** बाहरी जेब कहलाती है। इन्हें पैच जेब कहा जाता है।

चित्र 19: बाहरी जेब

4.3.2 इन सीम जेबें

पाउच को परिधान के अंदर सिला जाता है और स्टाइल टांके लगाएं जाते हैं।

चित्र 20: इन सीम जेबें

4.3.3 वेल्ट जेब

इन्सेट पॉकेट को निचले लिप के साथ वेल्ट द्वारा तैयार किया जाता है। वेल्ट 3/8 इंच से 1 इंच चौड़ी हो सकती है। इसके एक या दो लिप तैयार खुले कोने हो सकते हैं। इस जेब को मुख्यतः जैकेट, कोट या पेंट पर पिछली ओर जेब लगायी जाती है।

चित्र 21: वेल्ट जेब

4.3.4 चीर और जोड़ की अवधारणा

जेबों को टांके के साथ या टांके में लगाया जा सकता है, पलेक्ट के लिए समान नियम का अनुसरण किया जाता है।

4.4 कॉलर चिप्पल

चिप्पल, परिधान के अनिर्मित कोनों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त वस्त्र है, जैसे गला हाथ छेद और अगला एवं पिछला खुला भाग। चिप्पल की तीन श्रेणियां हैं:

- विस्तारित चिप्पल
- तिरछा चिप्पल
- आकारित चिप्पल

चिप्पल को किनारे में फिट करने के लिए तैयार किया जाता है यह या तो कटाई के दौरान या अनुप्रयोग से ठीक पहले तैयार होगा। पैटर्न का प्रयोग कर 'आकारित चिप्पल' को काटा जाता है, इसे समान आकार में किनारे से काटकर तैयार किया जाएगा। ''तिरछी चिप्पल'' ऐसी पट्टी है जो तिरछे भाग से काटी गयी वस्त्र की पट्टी है ताकि इसे जिस कोने के घुमाव पर प्रयुक्त किया जाना हो यह उस घुमाव के अनुरूप होगा। परिधानों से चिप्पल लगाने के बाद, इसे परिधान के अंदर घुमाया जाता है और बाहर नहीं दिखना चाहिए। आकारित और तिरछी चिप्पलों के भार को परिधान वस्त्र के कम भार वाले हल्के वस्त्र से काटा जाता है। चूंकि विस्तारित चिप्पल परिधान से काटा जाता है, परिधान और चिप्पल वस्त्र हमेशा समान होते हैं, परंतु ये कई बार डिजाइन के अनुसार भिन्न हो सकता है।

गला रेखा

तिरछी बाइंडिंग तिरछी चिप्पल आकारित चिप्पल

चित्र 22: गला रेखा चिप्पलें

4.4.1 तिरछी पट्टी तैयार करना

तिरछी पट्टी को मिलान या विषम वस्त्र की पट्टी के रूप में तैयार किया जाता है। निर्माण में इसे छुपाने, तैयार करने और मजबूत टांकों और अनिर्मित कोनों को या चिप्पलों हेतु एवजी के रूप में प्रयोग किया जाता है। तिरछी को सुन्दर बाइंडिंग, पाइपिंग या ट्यूनिग के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। बाइंडिंग, पाइपिंग या ट्यूनिंग हेतु तिरछी **सच्ची** तिरछी है और इसे 45 डिग्री कोण द्वारा स्थापित विकर्ण रेखा के रूप में परिभाषित किया जाता है। वस्त्र के तिरछेपन से घुमावदार कोना बनाने के लिए आवश्यक अधिकतम खिंचाव, लचीलापन और प्रत्यास्थता प्रदान की जाती है।

तिरछी को खुद तैयार किया जा सकता है, उद्योग के लिए विशिष्टतः निर्मित किया जाता है, खुदरा दुकानों में वाणिज्यिक रूप से तैयार और खरीदा जाता है। वाणिज्यिक रूप से तैयार, पहले से कटी और मुड़ी तिरछी बाइंडिंग को तिरछी टेप या ''तिरछे मोड़'' के रूप में भी जाना जाता है, यह अनेक प्रकार की चौड़ाई में उपलब्ध होती है और तिरछी की जगह निम्नांकित पर निर्भर करती है:

- परिधान का स्टाइल और डिजाइन
- परिधान का प्रकार
- परिधान का प्रयोग
- परिधान की देखभाल
- वस्त्र का विकल्प
- निर्माण विधि
- मशीन और संयोजनों की उपलब्धता
- निर्माण हेतु प्रक्रियाएं

निर्माण चरण

- सबसे पहले क्रासवार ग्रेन के समानांतर लंबाईवार ग्रेन के साथ वस्त्र को मोड़कर वस्त्र के सही तिरछे को ज्ञात करें। मुड़ा कोना सही तिरछी है।
- सही तिरछी का पता लगाने के बाद चौड़ाई बनाएं और तिरछी की वांछित लंबाई हेतु आवश्यक पट्टियों की वांछित संख्या बनाएं और फिर इसे काटें।
- कई बार तिरछी पट्टियां निरंतर सिलाई चरण को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप में लंबी नहीं होती है। तिरछी बाइंडिंग या चिप्पल सिलाई प्रारंभ करने से पूर्व पर्याप्त संख्या में पट्टियों को जोड़े। इसके बाद 90 डिग्री कोणों पर तिरछी पट्टियां दाईं ओर रखें।
- कोणों पर 1/4 इंच टांका दूरी के साथ तिरछी सिलें।
- वांछित लंबाई के लिए आवश्यक तिरछी पट्टियों को जोड़ें। सभी खुले टांकों को दबाएं और विस्तारित बिंदुओं को काटें।

पट्टी तैयार होने के बाद इसे गला रेखा पर प्रयुक्त किया जा सकता है।

4.4.2 विस्तारित चिप्पल/ तिरछी बाइंडिंग

तिरछी बाइंडिंग का प्रयोग अनिर्मित किनारों को तैयार और मजबूत करने तथा परिधान को सुंदर रूप देने के लिए किया जाता है। कुछ मामलों में यह गला रेखा, बाजू या बाजू छेद कोनों पर चिप्पल का स्थान ले सकता है।

एक मानक तिरछी पट्टी 1 से 1/2 इंच चौड़ी होती है (परिधान के समान या विषम रंग में से किसी एक में)। वाणिज्यिक रूप से तैयार दोहरी मोड़ तिरछी टेप को भी प्रयोग किया जा सकता है।

निर्माण चरण

परिधान को सिलाई टेबल के उलटी ओर रखें। अब इस तिरछी पट्टी को परिधान पर रखें, जिसकी दाईं ओर उलटी ओर हो, दोनों अनिर्मित कोनों के साथ हो (परिधान)।

- 1/4 इंच टांका दूरी के साथ सिलें।
- तिरछी पट्टी को 1/4 इंच मोड़ें और नीचे दबाएं।
- तिरछी बाइंडिंग को सिलाई रेखा पर मोड़े और नीचे दबाएं।
- तिरछी पट्टी को परिधान की गलत ओर घुमाएं, और पहली सिलाई रेखा को कवर करें।
- तिरछी बाइंडिंग के कोने के साथ स्लिप सिलाई करें।

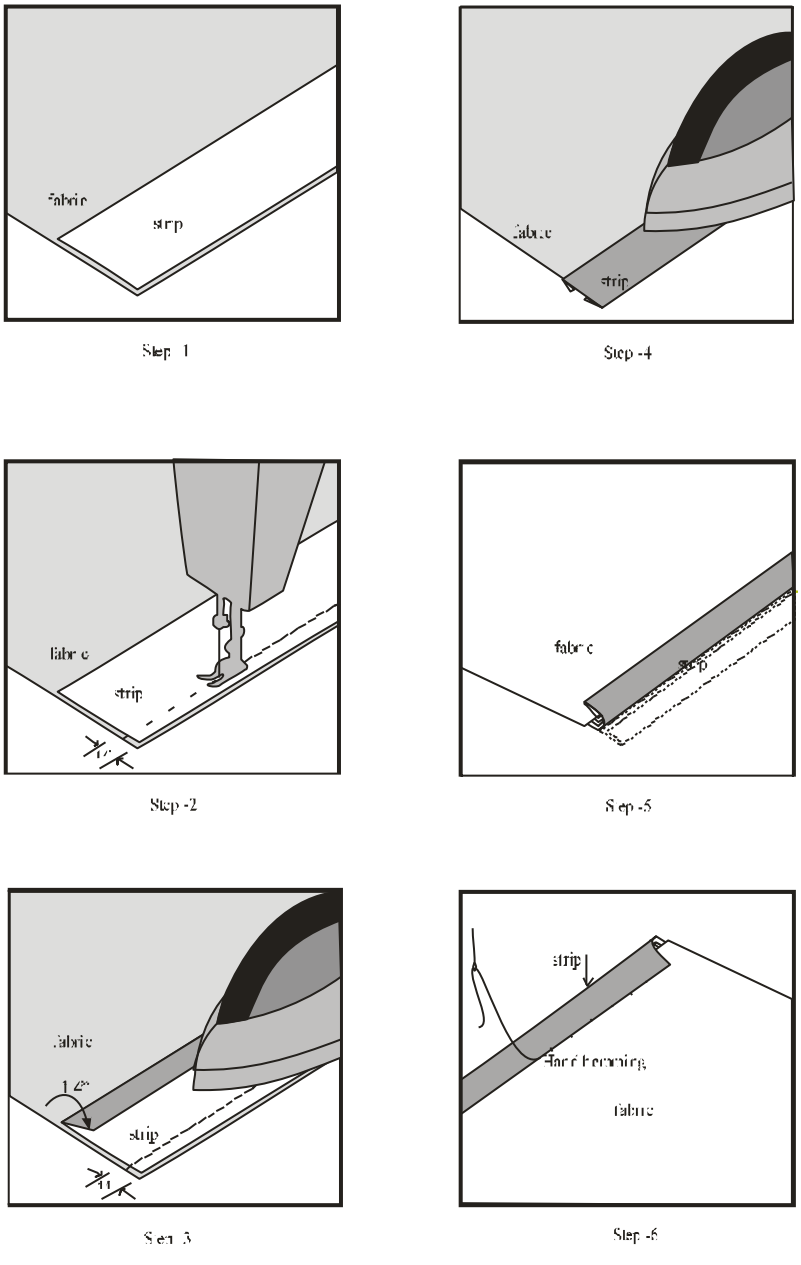

चित्र 23: तिरछी बाइंडिंग निर्माण

4.4.3 तिरछी चिप्पल

तिरछी चिप्पल, चिप्पल के बाहर वस्त्र की पट्टी है, जोकि परिधान गला रेखा से जुड़ी है, ताकि इसे कोने के घुमाव से मिलाने के लिए आकारित किया जा सके। चिप्पल को परिधान से जोड़ने के बाद इसे परिधान के अंदर घुमाया जाता है और यह बाहर नहीं दिखना चाहिए अर्थात् परिधान की दाईं ओर। (तिरछी पट्टी बनाने के लिए तिरछी पट्टी को तैयार करने हेतु निर्माण चरण देखें)।

निर्माण चरण

- तिरछी पट्टी की दाईं ओर को परिधान गला रेखा की दाईं ओर करें। जब बाइंडिंग लगाएं, प्रारंभ कोने को 1/2 इंच मोड़े और मोड़ को परिधान टांका रेखा के साथ संरेखित करें। पिन बाइंडिंग करें और प्रारंभिक बिंदु के 3 इंच के भीतर सिलें।
- प्रारंभिक कोने के मोड़ के परे इस कोने पर अतिरिक्त बाइंडिंग को काटें। इस कोने को प्रारंभिक कोने पर रखें और शेष को वस्त्र की चौड़ाई में सिलें। जब बाइंडिंग अन्दर की ओर घुमेगी, मुड़ा कोना पहले शीर्ष पर होगा इसे दूसरे कोने के साथ सिलें या स्लिप सिलें।
- ढ़का कोना वस्त्र कोना है जिसे कंधे के उपर रखा जाता है।
- घुमावदार टांका दूरी को काटें।
- चिप्पल को परिधान से दूर खोलें, सभी टांका दूरियों को चिप्पल की ओर दबाएं। चिप्पल को परिधानों के बाहर न निकलने देने के लिए टांका को चिप्पल के साथ नीचे सिला जाना चाहिए और टांका दूरी को परिधान से दूर विस्तारित करना चाहिए । गला टांका रेखा के निकट दाईं ओर से चिप्पल और टांका दूरी द्वारा सिलाई करें।
- चिप्पल के दूसरे कोने को इसकी उलटी ओर घुमाएं । दबाएं और स्लिप सिलाई करें।

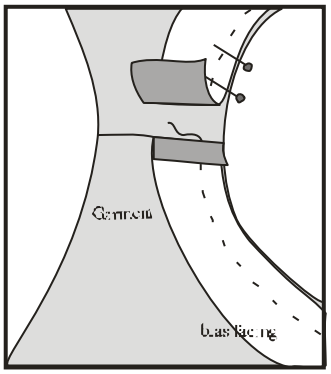

Step -1

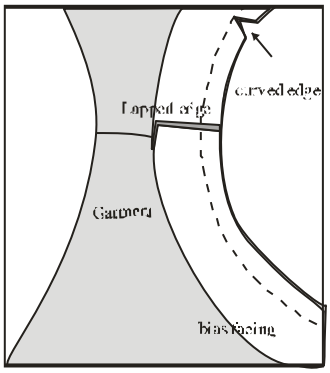

Step -3

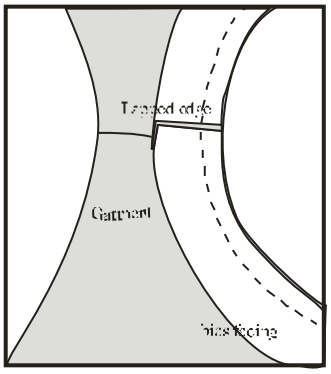

Step -2

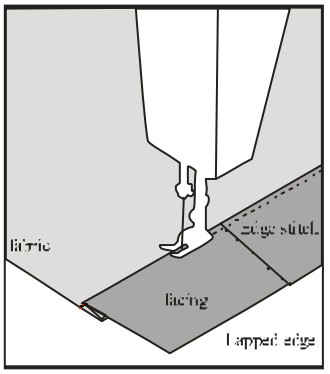

Step -4

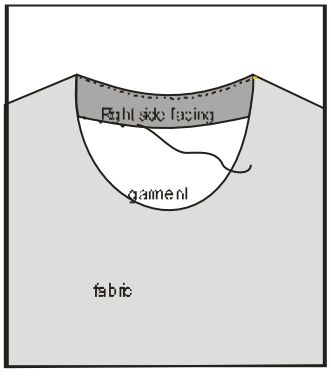

Step -5

चित्र –24: तिरछी चिप्पल निर्माण

4.4.4 आकारित चिप्पल (स्लैश गला रेखा)

आकारित चिप्पल के साथ तैयार गला रेखा आकार अर्थात् तिरछी पट्टी के साथ गला रेखा पर वस्त्र के अनिर्मित तैयार कोनों की बजाए, इसे चिप्पल के साथ तैयार किया जाता है, **जो क** गला रेखा के समान आकार का होता है।

निर्माण चरण

- दोनों अगली पिछली चिप्पल की गलत ओर को आमने सामने करें।
- दाईं ओर साथ तथा समान मार्किंग से कंधों के पिछले भाग चिप्पलों के अग्र चिप्पल भागों पर टांका लगाएं। टांके को सपाट सिलकर दबाएं और फिर खोलें।
- टांका दूरी को खुला रखना, 1/8 इंच घुमाकर चिप्पल दर्जी कोना तैयार करें। मुड़े कोनों के निकट सिलें।
- दाईं ओर एक साथ, मैचिंग, नॉच, मार्किंग और टांका रेखाएं, गले और मशीन के लिए पिन चिप्पल।
- कंधों पर क्रास टांका दूरियों पर विकर्ण रूप में काटें। घुमावदार टांके काटें और अगली गला रेखा पर खुले भाग को स्लैश करें और कोनों को काटें।
- टांके का आयरन की टिप का प्रयोग कर उलटी ओर दबाएं, खुले टांके को दबाएं।
- परिधान के अंदर चिप्पल घुमाएं, जिससे टांका रेखा अंदर जा सके। अब टॉप को 1/4 इंच की दूरी पर सिलें।

चिप्पल तैयार करना

Steps of Construction

Preparation of facing

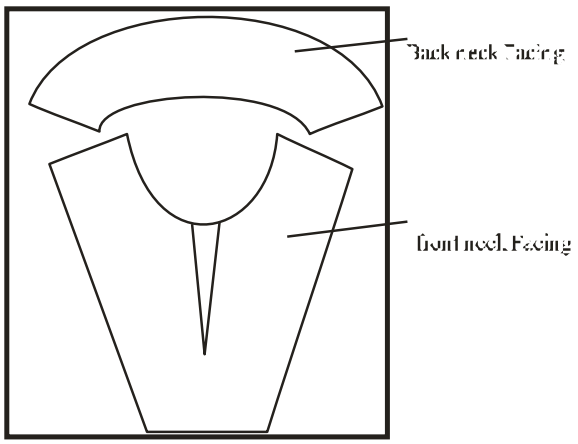

Step -1

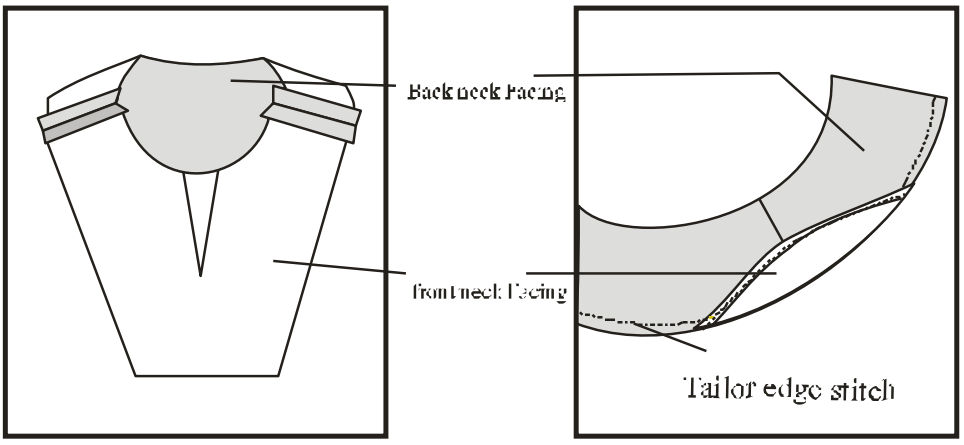

Step -2 Step -3

चत्र –25: आकारित चिप्पल तैयार करना

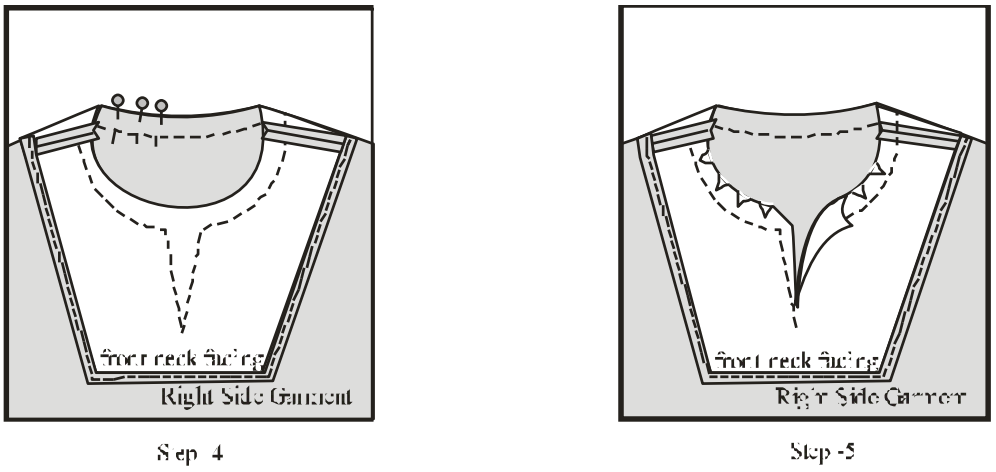

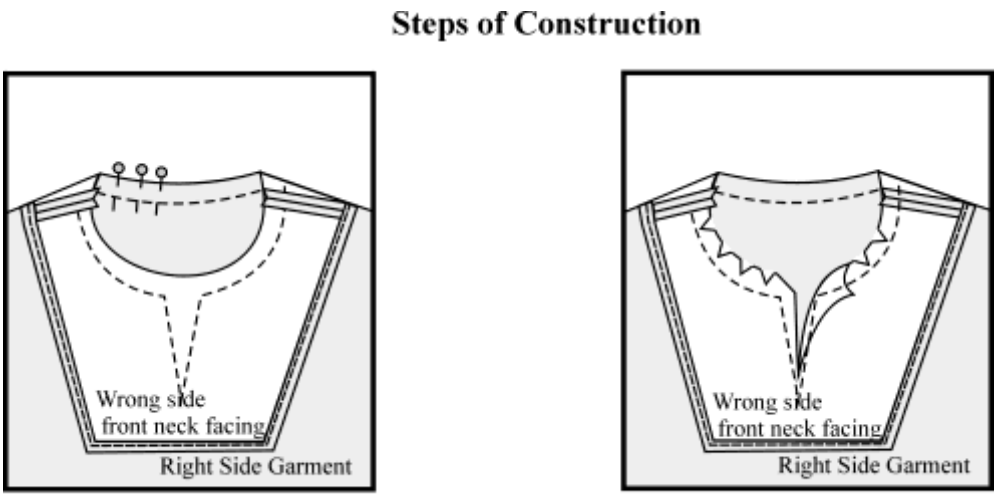

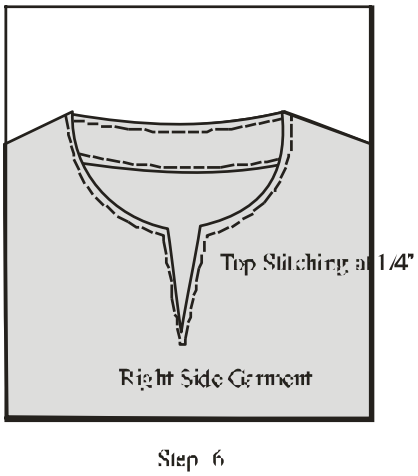

चित्र–26 : आकारित चिप्पल निर्माण

4.4.4 कॉलर जोड़ना

पीटर पैन कॉलर को तिरछी या आकारित चिप्पल के साथ उसी ढ़ंग से जोड़ा जाता है जैसे तैयार कॉलर को गला कोने पर दाईं ओर रखकर और चिप्पल को शीर्ष पर रखा जाता है। इन्हें टांका कोने से 1/4 इंच पर एक साथ सिलें और चिप्पल को अंदर की तरफ घुमाएं और किनारे के साथ तैयार करें।

4.5 बाजू जोड़ना

आज परिधान अनेक प्रकार की बाजुओं के साथ डिजाइन किए जाते हैं, जो देखने और निर्माण विधि को कवर करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी परिधान में तैयार बांह के छेद हो सकते हैं, जो बाजू रहित दिखे या बाजू सहित हो सकते हैं। ये सेट–इन या रागलन हो सकते हैं, इन्हें अलग से बनाया जाता है और परिधान से जोड़ा जाता है। एक अन्य संभावना किमोनो बाजू है, जिसमें इन्हें मुख्य कुरती के विस्तार रूप में काटा जाता है।

बाजू रहित परिधानों की बांहसिस को इस प्रकार काटा जाता है कि यह बांह को आसानी से घेर ले और बांहसिस कोने का उपरी भाग कंधा बिंदु पर आए। परिधानों को कई बार सामान्य से चौड़े कंधों के साथ तैयार किया जाता है, जो कंधों पर गिरकर एक छोटी टोपी को निर्मित करता है। कुछ को संकरी कंधा चौड़ाइयों के साथ तैयार किया जाता है, जिससे बड़ा और अधिक कोणीय बांह छेद तैयार होगा और कुरती की तरह प्रभाव आएगा।

सेट–इन बाजू सबसे अधिक प्रयुक्त होने वाला प्रकार है। जैसा कि इस प्रकार के बाजू से स्पष्ट है यह कोने या टोपी के बांहछेद में सैट हो सकती है। यह थोड़ी गोल या पूरी गोल एक साथ हो सकती है, लंबाई अधिक या कम, निचला भाग हल्का, बाहर की ओर निकली या इकट्ठी हो सकती है। बांहसिस मानक गोल बांहछेद से बाजू में भिन्न हो सकती है और इसे थोड़े गोल रूप में तैयार किया जाता है, जिससे यह कंधा कोने में डिम्पलिंग या पकरिंग के बिना आसानी से घुमाव पर आ सके। इसके लिए बाजू टोपी घुमाव को ध्यानपूर्वक बांहसिस में घुसाना चाहिए।

किसी भी परिधान में चाहे वह बाजू या बाजू रहित बनाया जाए, इन कुछ नियमों को देखा जाना चाहिए।

- परिधान और बाजू फिट की जांच करें और पैटर्न को तदनुसार बदलें।
- सभी बांहछेद और बाजू मार्किंगो को ध्यान पूर्वक और सटीक रूप में फैशन वस्त्र में अंतरित करें।
- निर्माण के दौरान सही प्रैसिंग तकनीकों का प्रयोग करें।
- जब भी संभव हो, बाजू के निचले कोने को परिधान से जोड़ने से पूर्व तैयार करें।

निर्माण चरण

- सिलाई रेखा से 1/8 इंच दूर बाजू की टोपी पर दो सिलाई पंक्तियां रखें। दो रेखाओं के मध्य दूरी 1/4 इंच होगी। ध्यान रखें कि सिलाई आकार सामान्य से अधिक हो। दोनों सिलाई रेखाओं के प्रारंभ और अंत दोनों में लंबा धागा छोड़े।
- दाईं ओर को दाईं ओर रखें और बाजू की ओर सिलाई करें।
- धागे खींचे और बाजू को कुरती के बाहछेद में घुसाएं। धागे को खींच कर और छोड़कर बाजू टोपी के आकार को ठीक करें। पिनों को स्थान पर रखें।
- बाजू को बांह छेद में सिलें।

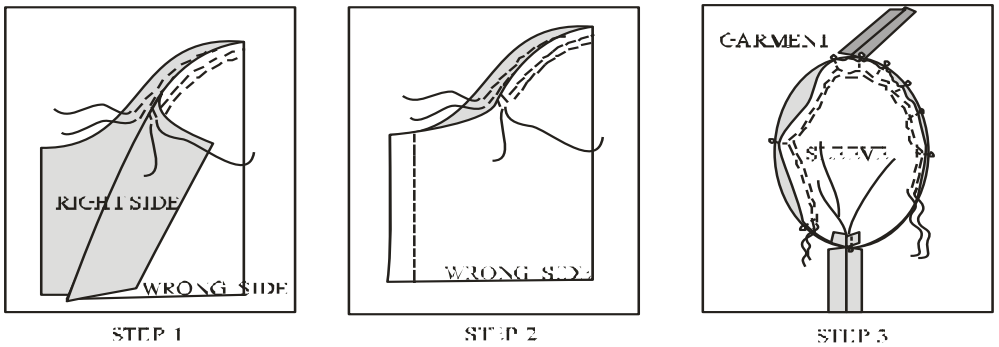

चित्र –27: बाजू जोड़ना

4.6 कफ जोड़ना

कफ वस्तुतः कफ और चिप्पल भाग से बनते हैं, जिन्हें एक या दो टुकड़ों में काटा जा सकता है। कफ अनुप्रयोग को प्रारंभ करने से पूर्व, पलैक्ट के प्रकार को प्रयुक्त करें, जो उस विशिष्ट बाजू के लिए आवश्यक है और फिर बांह बाजू टांके को पूरा करें । बाजू कोने पर चुनटें तैयार करें। कफ कोने के पलैक्ट कोने के लिए स्थान को नोट करें।

4.6.1 एक टुकड़े वाला सीधा कफ

नमूने के लिए पैटर्न टुकड़े

1. उपरी और निचले कफ प्रत्येक का एक टुकड़ा।

2. कफ के लिए माइक्रो –डॉट इंटरफेसिंग।

3. जिस बाजू पर कफ लगाया जाना हो बाजू पलैक्ट के साथ ।

निर्माण चरण

- उपरी कफ को उलटी ओर से इंटरफेसिंग के लिए डालें, जो मोड़ रेखा तक आ सकती है या मोड़ रेखा से डेढ़ इंच विस्तारित हो सकती है।
- उपरी कफ की टांका दूरी को कफ की उलटी ओर घुमाएं और आवश्यकता अनुसार 1/4 इंच या 3/4 इंच पर टॉप सिलाई करें।
- मोड़ रेखा के साथ एक दूसरे के सामने मोड़ें और दोनों कोनों को उलटी ओर से पिन करें। दोनों ओर से आधे इंच की दूरी पर सिलें। कोनों के निकट अतिरिक्त टांका दूरी को काटें।
- अंदर और बाहर घुमाएं और कोनों को खीचें।
- बाजू की उलटी ओर को कफ के अंदर दाईं ओर रखें, इसकी मशीन से सिलाई करें।

- सभी टांका दूरी का कफ में प्रवेश करें। कोनों पर मशीन चलाएं, उपरी कफ की दाईं ओर से बाजू की दाईं ओर।
- कफ कोनों के सभी भागों पर 1/4 इंच की दूरी पर वैकल्पिक टॉप सिलाई।

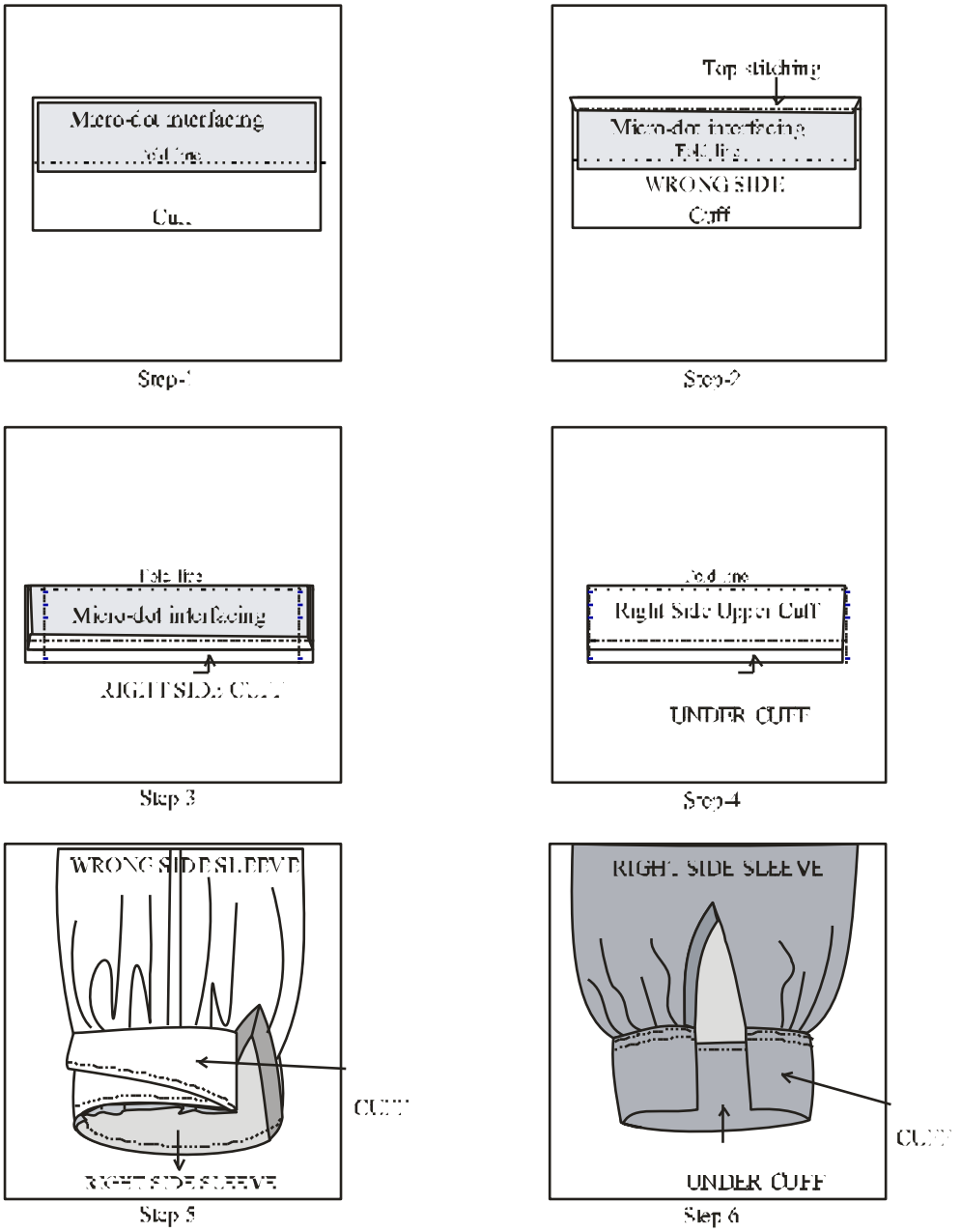

चित्र –28: कफ संयोजन

4.6.2 कमरबंध जोड़ना

कमरबंध को उसी ढ़ंग में जोड़ा जाता है जैसे कफ जोड़ा जाता है।

4.7 जोड़ जोड़ना

स्कर्ट जोड़ को पूरी तरह पंक्तिबद्ध किया जाता है ताकि सभी टांके संलग्न हों। इसी विधि में सिलाई मशीन का प्रयोग किया जाता है, परंतु टॉप सिला जाता है। यह कठिन नही है, परंतु कंधे के अगले भाग पर टांकों को लगाने में ध्यान रखना चाहिए।

पैटर्न टुकड़े

- दो जोड़ टुकड़े
- शर्ट के अगले और पिछले टुकड़े

निर्माण चरण

- दाईं ओर के साथ रखते हुए, जोड़ की शर्ट के पिछले भाग में **तुरुपाई** करें। शर्ट के पिछले भाग की उपरी ओर के लिए जोड़ की दाईं ओर की **तुरुपाई** करें। 1/2 इंच टांका दूरी पर सिलाई करें। तीनों परतों पर सिलाई करें। टांका दूरी ग्रेड करें, जोड़ टांका दूरी को सबसे चौड़ा रखें , जोड़ दबाएं और इसे उपर करें तथा शर्ट से दूर जोड़ को स्थायी स्थिति में लगाएं।
- जोड़ की दाईं ओर की **तुरुपाई** करें और कंधा जोड़ पर शर्ट के अगले भागों के उलटे ओर करें। दाईं ओर को साथ रखकर जोड़ और शर्ट के अगले भाग के टांके को मिलाएं। (शर्ट जोड़ और जोड़ चिप्पल के बीच होगी)।
- जोड़, शर्ट के अगले भाग और जोड़ चिप्पल सिलें। शर्ट को दाईं ओर घुमाएं और दबाएं।

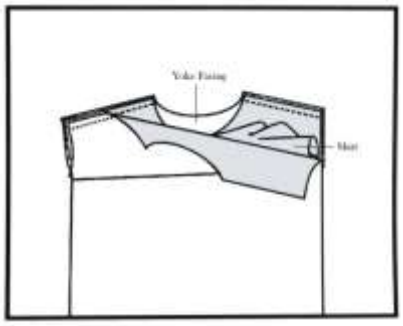

चरण एक

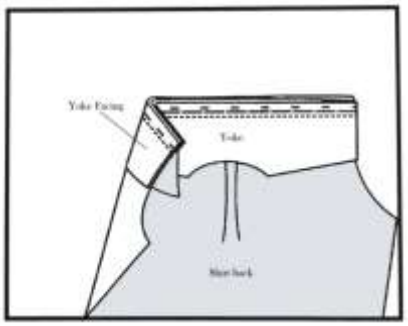

चरण दो

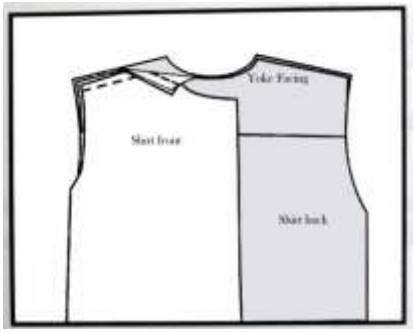

चरण तीन

कार्यकलाप

घर से तीन परिधान लें, एक कुरता, एक साड़ी ब्लाउज और एक शर्ट, अनेक तैयार भागों की पहचान करें जैसे चिप्पल, जेब, बाजू , पलैक्ट, कफ और अन्य तत्व।

खाली स्थानों को भरें।

1. पलैक्ट, परिधान में एक ..... खुली जगह है। इसे ..... और ..... के साथ इस प्रकार तैयार किया जाना चाहिए जिससे ड्रेसिंग में सुविधा हो।

2. पलैक्ट को ..... की बजाए अगली या पिछली गला रेखा ..... पर प्रयोग किया जा सकता है।

3. चयनित पलैक्ट का प्रकार और ..... इसके .... और परिधान के ..... पर निर्भर करता है।

4. ..... परिधानों की बांहसिस को इस प्रकार काटा जाता है कि यह ..... पर बांह छेद को घेरे।

5. सेट–इन बाजू सबसे अधिक प्रयोग होने वाले ..... हैं; यह बाजू वस्तुतः कोने या टोपी के बांह छेद की .... है।